अध्याय

18

जामुन का पेड़

© JCERT not to be republished

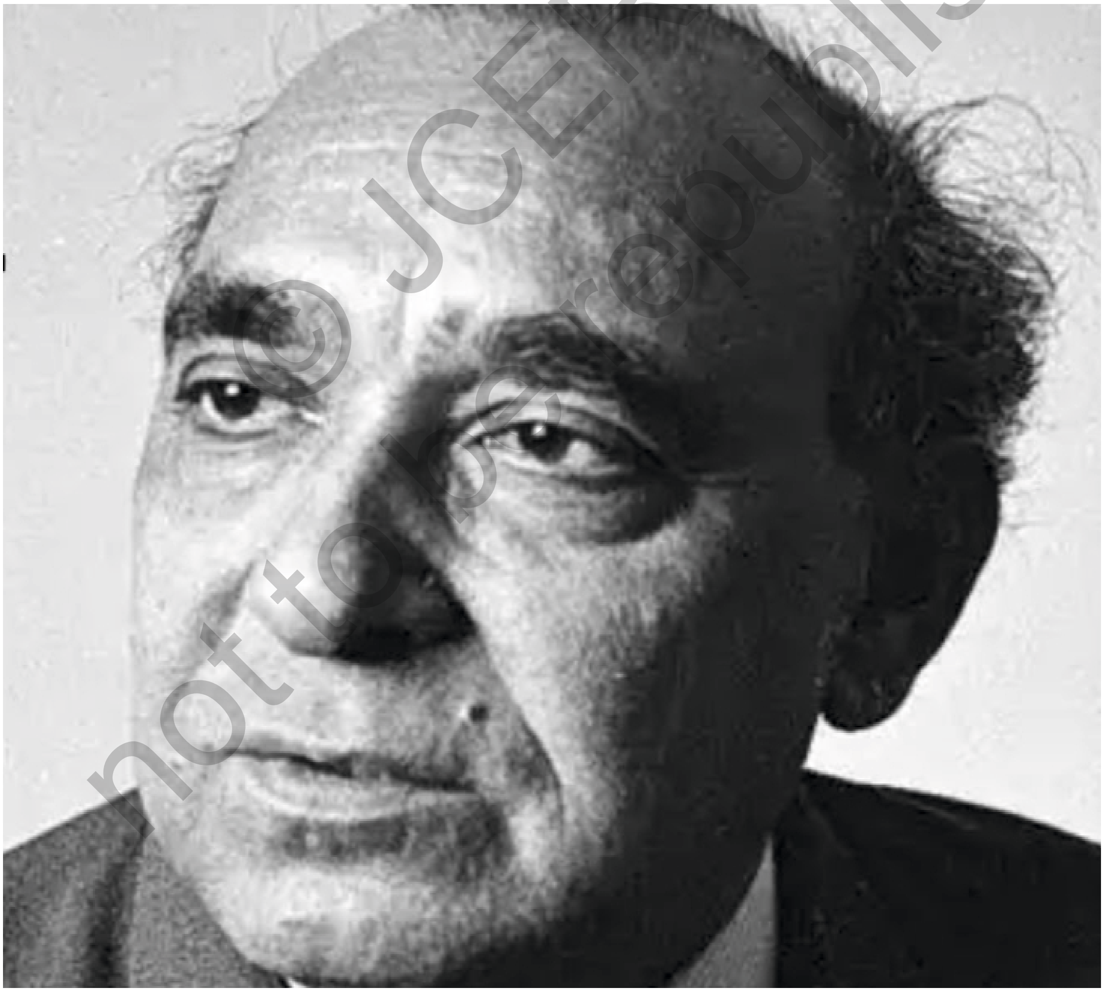

कृश्न चंदर

JEPC Reference Book for Free Distribution : 2022-23

पाठ की विधा- हास्य व्यंग कथा

लेखक-परिचय

नाम- कृश्न चंदर

जन्म- 23 नवंबर 1914

जन्म स्थान भरतपुर (राजस्थान)

मृत्यु- 8 मार्च 1977

काल- आधुनिक काल।

पहचान- हिंदी और उर्दू कहानीकार के रूप में प्रसिद्धि।

साहित्यिक परिचय

कृश्न चंदर 1950-60 के दौर में सबसे ज्यादा पढ़े जाने वाले लोकप्रिय कथाकार थे। इन्होंने दर्जनों उपन्यास, लघु कथाएं एवं पटकथा लिखी। इन्होंने लेखन को ही अपनी जीविका का साधन बनाया। इनकी रचनाओं में यथार्थ व्यंग हास्य तीनों का सम्मिश्रण एक साथ देखने को मिलता है। दिलचस्प कहानियां और छोटे-छोटे अध्याय में बंटा हुआ उपन्यास पाठकों की उत्सुकता बढ़ती थी। यह उनका सिग्नेचर स्टाइल माना जाता था। इंसान और उससे जुड़े हर पहलू को उन्होंने अपने साहित्य का हिस्सा बनाया। 'प्रीतो', 'ताई इसरा' जैसी कहानियों इंसानी जज्बात को बयां करती हैं। इंसानी जज्बात के साथ-साथ उन्हें अपने समय की मिजाज की भी पकड़ थी। 1964 में लिखी गई लघु उपन्यास 'एक गधा नेफा में' एक ऐसा यथार्थपूर्ण उपन्यास है जिसे झूठलाया नहीं जा सकता। उपन्यास जहां वामपंथी विचारधारा से प्रभावित नजर आती है वही साम्यवाद के नाम पर चीन के चेहरे को उजागर करने की कोशिश भी है। जिसमें वे दूर तक सफल भी होते हैं। चीन का जो आज साम्राज्यवादी नीति है उन्होंने कई वर्षों पहले अपने इस उपन्यास में उजागर किया है। भारत और चीन के बीच सीमा विवाद चीन के द्वारा,देश की सीमा का अतिक्रमण करना,या गुरिल्ला युद्ध, सड़के बनाना, पंचशील समझौता का उल्लंघन करना जैसे मुद्दों पर उन्होंने उपन्यास में खुलकर बात की है। चीन द्वारा नेफा, त्वांग क्षेत्र में मचाई तबाही का वर्णन अपने उपन्यास में करते हैं । चीनी साम्राज्य का जो चेहरा उन्होंने अपने उपन्यास में दिखाया है वह आज भी प्रसांगिक है।

लेखन का विषय-कश्मीरी गांव, विस्थापित प्रवासी, शहरी जीवन जातिवाद, संप्रदायिक हिंसा का खंडन, अफसरशाही और लालफीताशाही का विरोध आदि इनका मुख्य विषय रहा है। इन्होंने कई सफल फिल्म के स्क्रिप्ट भी लिखें।

भाषा शैली- किश्न चंदर एक ऐसे कथाकार थे जिनकी हिंदी के साथ-साथ उर्दू भाषा पर भी जबरदस्त पकड़ थी उनकी रचनाओं में प्राय: खड़ी बोली के साथ-साथ उर्दू के शब्द बहुतायत मिलती है। कुंठा, मानवीय संवेदना आदि की अभिव्यक्ति के लिए चित्रात्मक शैली के साथ-साथ रूमानियत से भरपूर शब्दों का प्रयोग उन्होंने अपने साहित्य के लिए किया है। इनकी अधिकांश रचनाओं में व्यंग्यात्मक शैली देखने को मिलती है। जैसे एक गधा

© JCERT not to be republished

नेफा में और जामुन का पेड़ में व्यंग्यात्मक शैली को देखा जा सकता है।

प्रमुख रचनाएं-

उपन्यास- एक गधे की आत्मकथा, एक गधा नेफा में, गद्दार, यादों के चिनार, कागज की नाव, रेत का महल, शिकस्त, बावनपत्ते

कहानी- जिंदगी के मोड़ पर,टूटे हुए तारे, अन्नदाता, तीन गुंडे, मैं इंतजार करूंगा, महालक्ष्मी का पुल, ताई इसरी, मेरी यादों की चिनार, कचरा बाबा, थाली का बैंगन

फिल्मी पटकथा- धरती के लाल, आंदोलन, हमराही।

उपलब्धि एवं पुरस्कार- शिक्षा और साहित्य जगत में महत्वपूर्ण उपलब्धियों के लिए उन्हें 1969 में पद्मभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। 2017 में उनके नाम ₹1000 का भारतीय स्टांप टिकट निकाला गया। उनके याद मेंजम्मू कश्मीर के पूंछ जिले में उनके नाम से एक पार्क भी बनाया गया है।

शब्दार्थ-

झक्कड़- आँधी।

रुआँसा- रोनी सूरत।

ताज्जुब- आश्चर्य, हैरानगी।

हॉर्टीकल्चर-उद्यान- कृषि।

एग्रीकल्चर— कृषि।

आपत्ति- विरोध, मनाही।

तगाफुल- विलंब, देर, उपेक्षा।

युक्ति- सुझाव, उपाय।

इंटरव्यू- साक्षात्कार।

अंदेशा- सम्भावना।

अर्जेंट- ज़रूरी।

फॉरेस्ट विभाग- वन विभाग।

मेंबर- सदस्य।

डिपार्टमेंट- विभाग।

बंदोबस्त- इंतजाम।

मार्क - चिह्नित।

कांस्टेबल- सिपाही।

इजाज़त- अनुमति।

वारिस- उत्तराधिकारी, स्वत्वाधिकारी।

मिनिस्टर- मंत्री।

लावारिस- अनाथ।

खेद- दुख, रंज

स्कीम- योजना।

चीफ सेक्रेटरी- मुख्य सचिव।

अंडर सेक्रेटरी- अधीन सचिव।

पाठ-परिचय

प्रस्तुत कहानी कृश्न चंदर द्वारा रचित एक हास्य व्यंग रचना है। लगभग सभी देशों में व्यवस्थित प्रशासन को चलाने के लिए

© JCERT not to be republished

प्रशासनिक व्यवस्था की जाती है। हमारे देश में वैदिक काल से लेकर शेरशाह सूरी और अकबर जैसे राजाओं ने भी एक व्यवस्थित सरकार को साधारण जनता के लिए स्थापित की थी। बाद में अंग्रेजों ने अपनी हुकूमत को व्यवस्थित करने के लिए इसी सूत्र पर काम किया हालांकि उनकी मंशा जनता की सेवा करना नहीं था। देश आजाद हुआ तो सारी व्यवस्था भारतीयों के पास आ गई, परंतु सरकारी कर्मचारी सेवा के बजाय लोगों के मालिक बन बैठे। लोगों के प्रति उदासीनता और अकर्मण्यता का जो भाव सिस्टम या कार्यप्रणाली में है उसे दूर करने की आवश्यकता है।

पाठ-परिचय

स्वार्थ पूर्ण मानसिकता की झलक– आंधी के कारण सेक्रेटेरियेट(सचिवालय) के लोन में एक फलदार जामुन का पेड़ गिर जाता है उस पेड़ के नीचे एक आदमी दब जाता है कई लोगों की भीड़ आसपास जमा हो जाती है। सबसे पहले दबा हुआ व्यक्ति को सचिवालय में कार्यरत माली देखता है और यह सूचना माली के द्वारा कई एक अधिकारियों से होते हुए उच्च अधिकारी तक पहुंचती है। किंतु सचिवालय में कार्यरत कर्मचारी पेड़ के नीचे दबे व्यक्ति की चिंता ना करते हुए फलदार जामुन के पेड़ के गिर जाने पर अफसोस जाहिर करते हैं। क्लर्क के द्वारा इस पर अफसोस जताया जाता है कि जामुन के पेड़ के गिर जाने से अबे अपने घर जामुन के फल को नहीं ले जा पाएंगे यह मानसिकता लोगों के स्वार्थपूर्ण मानसिकता को उजागर करता है लेखक का उद्देश्य लोगों के स्वार्थ पूर्ण मानसिकता को उजागर करना है।

निरर्थक पदानुक्रम– लेखक ने अपने इस कहानी के द्वारा इस बात पर लोगों की ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की है कि सरकारी तंत्र में कई एक ऐसे पद हैं जो निरर्थक हैं। काम के निपटारा के लिए इतने अधिक पदानुक्रम की व्यवस्था की गई है फिर भी काम के निपटारा में काफी विलंब हो जाता है। जैसे जामुन के पेड़ में यह दृष्टिगोचर होता है कि दबे हुए व्यक्ति को पेड़ से निकालने के क्रम में फाइलें कई अधिकारियों तक पहुंचाई जाती है।

टालमटोल और थोपने की प्रवृत्ति– सचिवालय के लोन में एक व्यक्ति जो जामुन के पेड़ के नीचे दबा पड़ा हुआ है उसे बाहर निकालने के लिए कई तामझाम किए जा रहे हैं। लेखक ने विभागों की एक लंबी सूची पाठ में वर्णित किया है। हॉर्टिकल्चर, फॉरेस्ट, एग्रीकल्चर और तो और कल्चर डिपार्टमेंट तक की एक लंबी सूची लेखक ने दर्शाया है किंतु यहां केवल एक विभाग से दूसरे विभाग में दबे हुए व्यक्ति की फाइल घूम रही है लोग अपनी जिम्मेदारी से पीछा छुड़ा रहे हैं।

© JCERT not to be republished

साहित्यकारों की उपेक्षा–लेखक ने पाठ के माध्यम से साहित्यकारों की अपेक्षा की जा रही है इसकी तरफ भी उन्होंने इशारा किया है दबा हुआ व्यक्ति एक कवि है यह जानने के बाद फाइल को कल्चरल डिपार्टमेंट में भेज दिया जाता है जहां पर कई विभागों से होते हुए यह साहित्य अकादमी के सेक्रेटरी के पास पहुंचता है किंतु साहित्य अकादमी दबे हुए कवि को निकालने के स्थान पर उसे कई प्रकार के आश्वासन दे कर चले जाते हैं।

हास्य के साथ करुणा की अनुभूति– कहानी में एक फलदायक पेड़ को दिखाया जाता है जिसके नीचे दबकर एक व्यक्ति अपनी जान गवा देता है। लोग आदमी की तरफ ध्यान ना दे कर रसीले पेड़ पर ध्यान देते हैं। कुछ क्लर्क पेड़ की जगह आदमी को ही काटने की सलाह देते हैं ताकि पेड़ को कोई नुकसान ना हो सके। पेड़ के स्थान पर व्यक्ति को काटने की सलाह देना हास्य पद लगता है वही दूसरी तरफ व्यक्ति की तरफ ध्यान ना देना करुणामय चित्र को उपस्थित करता है।

फाइलों का घूमना– चूंकि व्यक्ति सरकारी परिसर के पेड़ के नीचे दबा हुआ था अतः यह मामला सरकारी हो जाती है। माली के द्वारा यह सूचना बड़े अधिकारियों तक पहुंचाया जाता है, लेकिन योग्यता या मेरिट में उच्च स्थान रखने वाले लोग भी इस समस्या का निपटारा नहीं कर पाते हैं और यह मामला एक विभाग से दूसरे विभाग में तुंबा फेरी के लिए भेज दिया जाता है।

व्यक्ति (कवि) की मृत्यु– कोई भी निर्णय समय पर ना लिए जाने के कारण व्यक्ति अपने प्राणों की रक्षा से जुझते हुए मारा जाता है, और कहानी इन वाक्यों के द्वारा खत्म हो जाती है –मगर कवि क हाथ ठंडा था, आंखों की पुतलियां निर्जीव और चीटियों की एक लंबी पांत उसके मुंह में जा रही थी। उसके जीवन की फाइल भी पूर्ण हो चुकी थी।

© JCERT not to be republished

कहानी का उद्देश्य– लेखक का उद्देश्य कहानी के द्वारा सरकारी तंत्र पर व्यंग कसना है। देश को चलाने के लिए एवं दायित्व के निर्वाह के लिए कुछ रीति नीति को कार्यान्वित किया जाता है। जनता की सेवा और समस्या समाधान के लिए कार्यालयों का प्रबंध किया जाता है कुछ संरक्षक व्यक्ति योग्य या मेरिट के हिसाब से सरकारी कामों का निष्पादन में सहयोग करते हैं। सरकारी कार्यालयों में सदा जनकल्याण को महत्व दिया जाता है फिर सवाल उठता है की मेरिट में इतने फिट होने के बावजूद भी साधारण लोगों की ऐसी दुर्दशा क्यों होती है।

कहानी की शीर्षक की सार्थकता– यह कहानी प्रतीकात्मक शैली में लिखा गया है। व्यक्ति के

स्थान पर पेड़ को अधिक महत्व देना कहानी की सार्थकता को सिद्ध करती है। दबा हुआ व्यक्ति आम जनता का प्रतीक है।

पात्र परिचय- i) दबा हुआ व्यक्ति (कवि) ii) माली (दयावान व्यक्ति) iii) सुपरिटेंडेंट iv) क्लर्क v) चपरासी vi) सेक्रेटरी, vii) चीफसेक्रेटरी आदि पात्रों के द्वारा कहानी आगे बढ़ती है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

1. जामुन का पेड़ किसकी रचना है?

उत्तर:- कृश्न चंदर

2. जामुन का पेड़ किसका प्रतीक है?

उत्तर:- देश की समस्याओं का।

3. दवा हुआ व्यक्ति किसका प्रतीक है?

उत्तर:- आम जनता का।

4. दबा हुआ व्यक्ति कौन है?

उत्तर:- एक कवि।

5. जामुन का पेड़ कहां गिरा पड़ा था?

उत्तर:- सेक्रेटेरिएट(सचिवालय) के लॉन में।

6. जामुन के पेड़ के नीचे कौन दबा पड़ा हुआ था?

उत्तर:- एक आदमी।

7. दबा हुआ आदमी अपना परिचय क्या देता है?

उत्तर:- एक कवि के रूप में।

8. पेड़ के नीचेदबे हुए आदमी को सबसे पहले कौन देखता है?

उत्तर:- माली।

9. जामुन का पेड़ कैसा था?

उत्तर:- फलदार।

10. माली दौड़ा दौड़ा किसके पास जाता है?

उत्तर:- चपरासी के पास।

11. चपरासी किसके पास जाता है?

उत्तर:- क्लर्क के पास।

12. क्लर्क के किस के पास जाता है

उत्तर:- सुप्रिडेंट के पास।

13. सुपरिटेंडेंट किसके पास जाता है?

उत्तर:- अंडर सेक्रेटरी के पास

14. अंडर सुपरिटेंडेंट किसके पास जाता है?

उत्तर:- डिप्टी सेक्रेटरी के पास।

15. डिप्टी सेक्रेटरी किसके पास जाता है?

उत्तर:- जॉइंट सेक्रेटरी के पास।

16. चीफ सेक्रेटरी किसके पास जाता है?

उत्तर:- मिनिस्टर के पास।

© JCERT not to be republished

17. सुपरिटेंडेंट किस सोच में पड़ गया?

उत्तर:- दबे हुए आदमी को कैसे निकाला जाए।

18. 'नहीं मैं जिंदा हूं' यह वाक्य कौन कहता है?

उत्तर:- दबा हुआ आदमी।

19. माली ने क्या सुझाव दिया?

उत्तर:- पेड़ हटाकर इस व्यक्ति को निकाल लेना चाहिए।

20. क्या मालीकी बात मान ली जाती है?

उत्तर:- नहीं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. माली की बात क्यों नहीं मानी जाती है?

उत्तर:- चूंकि यह एक सरकारी मामला था और सरकारी मामले में अंतिमनिर्णय लेने का अधिकार उच्च अधिकारी को होता है।

2. निर्णय लेने में देरी क्यों हो रही थी?

उत्तर:- क्योंकि दबे हुए व्यक्ति का फाइल एक अधिकारी से दूसरे अधिकारी तक भेजा जा रहा था।

3. व्यक्ति के चारों और बहुत सी भीड़ लग गई थी यह भीड़ किसका प्रतीक है?

उत्तर:- मूक,और तमाशबीन (तमाशा देखने वाले लोग) आम जनता का।

4. एक सुस्त कामचोर और मोटा चपरासी कहानी में किसका प्रतीक है?

उत्तर:- सरकारी दफ्तर में कार्य करने की लचर(कमजोर) व्यवस्था का प्रतीक है।

5. दबे हुए व्यक्ति को निकालने के लिए कुछ क्लर्क क्या फैसला लेना चाहते हैं?

उत्तर:- हुकूमत के फैसले के इंतजार किए बिना वे दवे हुए व्यक्ति को निकालने का फैसला लेना चाहते है।

6. सुपरिटेंडेंट दबे हुए व्यक्ति के पास क्या लेकर वापस लौटता है?

उत्तर:- सुपरिटेंडेंट उच्च अधिकारी के फैसले के साथ फाइल लेकर लौटता है।

7. उच्च अधिकारी अपने फाइल में क्या रिपोर्ट लेकर आता है?

उत्तर:- फाइल की रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला कृषि विभाग का है,इसलिए हम लोग कुछ नहीं कर सकते हैं।।

8. दूसरे दिन कृषि विभाग का क्या उत्तर आता है?

उत्तर:- चूंकि पेड़ व्यापार विभाग के लांन में गिरा है, इसलिए पेड़ गिराने की जिम्मेदारी कृषि विभाग की नहीं है।

9. कृषि विभाग ने पेड़ हटाने का कार्य किस पर डाल दिया?

© JCERT not to be republished

उत्तर:- हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट (उद्यान विभाग) ।

10. एग्रीकल्चरडिपार्टमेंट ने पेड़ हटाने की जिम्मेदारी हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट को क्यों दिया?

उत्तर:- एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट का तर्क था कि हमारा डिपार्टमेंट खेती-बाड़ी का मामला देखता है फलदार पेड़ों का नहीं।

11. पेड़ काटने की बात पर हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट का क्या जवाब आया?

उत्तर:- हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट ने यह जवाब दिया कि जब हम सारे देश में पेड़ लगाने की स्कीम चला रहे हैं तो फिर हम फलदार पेड़ कैसे काट सकते है।

12. पेड़ काटने की स्थिति ना होने पर कुछ लोगों ने क्या सुझाव दिया?

उत्तर:- पेड़ की जगह आदमी को काटने का सुझाव दिया।

13. दवा हुआ व्यक्ति ने किस बात पर आपत्ति दर्ज की?

उत्तर:- पेड़ काटने की जगह दबे हुए आदमी को काटने की बात सुनकर दबा हुआ व्यक्ति ने आपत्ति दर्ज किया।

14. पेड़ काटने की जगह दबे हुए आदमी को काटने की बात करना किस बात की ओर इशारा करती है?

उत्तर:- तथ्यहीन अथवा विवेकहीन कार्यप्रणाली का।

15. दबे हुए व्यक्ति की फाइल मेडिकल डिपार्टमेंट में क्यों भेज दिया गया?

उत्तर:- दबे हुए व्यक्ति को काटने की प्रक्रिया में कोई नुकसान ना हो इस बात को सुनिश्चित करने के लिए फाइल को मेडिकल डिपार्टमेंट में भेज दिया गया।

16. मेडिकल डिपार्टमेंट ने समझने के लिए किसे भेजा?

उत्तर:- अपनी एक योग्य प्लास्टिक सर्जन को।

17. प्लास्टिक सर्जन ने क्या रिपोर्ट पेश की?

उत्तर:- सर्जन ने अपनी रिपोर्ट में कहा की ऑपरेशन तो सफल हो जाएगा पर आदमी मारा जाएगा।

18. यह कैसे पता चला कि दवा हुआ आदमी कवि है?

उत्तर:- मिर्जा गालिब का शेर सुनाने की वजह से माली को पता चला की दवा हुआ व्यक्ति एक कवि है।

19. दबे हुए आदमी के कवि होने से सेक्रेटेरियट पर क्या प्रभाव पड़ा?

उत्तर:- दबे हुए आदमी को निकालने का काम कल्चरल डिपार्टमेंट को दे दिया गया।

20. झुंड का झुंड शायर किसी देखने के लिए उमड़ पड़ा?

उत्तर:- दबे हुए व्यक्ति को।

21. फाइल कल्चरल डिपार्टमेंट के अनेक

© JCERT not to be republished

प्रश्न: विभागों से गुजरती हुई कहां पहुंची?

उत्तर:- साहित्य अकादमी के सेक्रेटरी के पास।

22. दबे हुए आदमी से कौन इंटरव्यू लेने लगा?

उत्तर:- साहित्य अकादमी का सेक्रेटरी।

23. सेक्रेटरी जोर से क्यों चीखा?

उत्तर:- सेक्रेटरी कवि के उपनाम को सुनकर चीख पड़ा।

24. सेक्रेटरी किस बात पर आश्चर्य हुआ

उत्तर:- इतना बड़ा आदमी जिसका गद्य संग्रह उसके फूल अभी प्रकाशित हुआ वह हमारे साहित्य अकादमी का सदस्य नहीं है।

25. साहित्य अकादमी का सेक्रेटरी किस बात के लिए सभी को मुबारक बाद देता है?

उत्तर:- साहित्य अकादमी के केंद्रीय शाखा का मेंबर चुन लिए जाने के कारण।

26. कवि साहित्य अकादमी के सेक्रेटरी से क्या अनुरोध करता है?

उत्तर:- पेड़ के नीचे से निकालने का अनुरोध करता है।

27. कवि का पेड़ के नीचे से निकालने के अनुरोध पर साहित्य अकादमी के सेक्रेटरी ने क्या कहा?

उत्तर:- हम यह नहीं कर सकते, अगर तुम मर जाओ तो तुम्हारी बीवी को वजीफा दे सकते है।

28. कल्चरल डिपार्टमेंट ने अपनी फाइल कहां भेज दिया और क्यों भेज दिया?

उत्तर:- कल्चरल डिपार्टमेंट का तर्क था की पेड़ की कटाई कलम दवात से नहीं बल्कि आड़ी कुल्हाड़ी से संबंधित है।

29. माली ने दबे हुए आदमी को क्या बताया?

उत्तर:- कल फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के आदमी आकर पेड़ को काट देंगे और तुम्हारी जान बचा लेंगे।

30. फारेस्ट डिपार्टमेंट के आदमियों को पेड़ काटने से क्यों रोका गया?

उत्तर:- पेड़ को पीटोनिया राज्य के मंत्री ने सेक्रेटेरिएट लोन में लगाया था अतः विदेशी नीति के अंतर्गत पेड़ को काटने पर रोक लगा दी गई।

31. दूसरे क्लर्क ने इस संबंध में अपनी क्या राय रखी?

उत्तर:- पेड़ काटने से पिटूनिया देश से हमारे संबंध बिगड़ सकते हैं और आर्थिक मदद मिलना बंद हो सकता है।

32. पेड़ काटने का मामला अंत में किस विभाग के पास पहुंचता है?

उत्तर:- विदेश विभाग के पास।

33. विदेश विभाग फाइल किसके पास पहुंचाता है?

उत्तर:- देश के प्रधानमंत्री के पास।

34. देश के प्रधानमंत्री ने पेड़ काटने के मामले

© JCERT not to be republished

में क्या फैसला लिया?

उत्तर:- पेड़ को काट दिया जाए और सारी अंतरराष्ट्रीय जिम्मेदारी मेरे ऊपर डाल दी जाए।

प्रश्न -अभ्यास

1. बेचारा जामुन का पेड़ कितना फलदार था और इसकी जामुनी कितनी रसीली होती थीं।

यह संवाद कहानी के किस प्रसंग में आए हैं इससे लोगों की कैसी मानसिकता का पता चलता है?

उत्तर- आंधी में जामुन के पेड़ के गिर जाने के कारण एक क्लर्क दूसरे क्लर्क से इस बात को कहता है। अच्छा इससे लोगों की स्वार्थ परक मानसिकता का पता चलता है।

2. दबा हुआ आदमी एक कवि है, यह बात कैसे पता चली और इस जानकारी का फाइल पर क्या असर पड़ा?

उत्तर- दबा हुआ व्यक्ति एक कवि है यह बात सचिवालय में कार्यरत माली के द्वारा लोगों को पता चलती है, क्योंकि जब माली लेखक को इस बात की जानकारी देता है कि कल सेक्रेटेरियेट की मीटिंग में तुम्हें पेड़ से निकालने पर फैसला लिया जाएगा यह सुनकर दबा हुआ व्यक्ति आह भरकर ग़ालिब की शायरी पढ़ता है इससे माली को दबे हुए व्यक्ति का कवि होने का पता चलता है दबे हुए व्यक्ति का कवि होने के नाते इसके फाइल को कल्चर विभाग को सौंप दिया जाता है।

3. कृषि विभाग वालों ने मामले को हॉर्टिकल्चर विभाग को सौंपने के पीछे क्या तर्क दिया?

उत्तर- कृषि विभाग वालों ने दबे व्यक्ति का मामला हॉर्टिकल्चर (उद्यान कृषि) विभाग को इसलिए सौंपना चाहा क्योंकि उनके दृष्टिकोण में यह एक फलदार वृक्ष का मामला था। कृषि विभाग कृषि संबंधित कार्य को देखता है ऐसे में उनका तर्क था कि इस मामले का निपटारा हॉर्टिकल्चर विभाग को करना चाहिए।

4. इस पाठ में सरकार के किन किन विभागों के चर्चा की गई है और पाठ से उनके कार्यों के बारे में क्या अंदाजा मिलता है?

उत्तर- प्रस्तुत पाठ में एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट (कृषि विभाग) हॉर्टिकल्चर डिपार्टमेंट (उद्यान कृषि विभाग) कल्चर डिपार्टमेंट (सरकारी साहित्य अकादमी विभाग) तथा फॉरेस्ट डिपार्टमेंट (वन विभाग) की चर्चा की गई है। इन सभी विभागों में काम के निपटारे की जगह पर टालमटोल और थोपने की प्रवृत्ति नजर आती है। तथ्य हीन और विवेक हीनता के साथ लोग फैसला लेते नजर आते हैं। कार्य की शीघ्र निपटारे में किसी की रुचि दिखाई नहीं पड़ती है और तो और लोग भाव शून्य या संवेदन शून्य प्रतीत होते हैं।

© JCERT not to be republished

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 'जामुन का पेड़' किसकी रचना है?

(क) धूमिल

(ख) कृश्न चंदर।

(ग) मुक्तिबोध।

घ मन्नू भंडारी

उत्तर– (ख) कृश्न चंदर

2. 'जामुन का पेड़' किसका प्रतीक है?

(क) देश कीउन्नति का

(ख) देश की प्रगति का

(ग) देश की समस्याओं का

(घ) उपरोक्त में सभी।

उत्तर– (ग) देश की समस्याओं का

3. 'दबा हुआ व्यक्ति' किसका प्रतीक है?

(क) आम किसान का

(ख) आम जनता का।

(ग) आम मजदूर का।

(घ) आम परिवार का।

उत्तर– (ख) आम जनता का

4. दबा हुआ व्यक्ति कौन है?

(क) एक माली

(ख) एक मास्टर

(ग) एक कवि

(घ) एक शिक्षक

उत्तर– (ग) एक कवि

5. जामुन का पेड़ कहां गिरा पड़ा था?

(क) बागान में

(ख) सेक्रेटेरिएट (सचिवालय) के लोन में

(ग) खेत में

(घ) बगीचा में

उत्तर– (ख) सेक्रेटेरिएट (सचिवालय) के लोन में।

6. जामुन के पेड़ के नीचे कौन दबा पड़ा हुआ था?

क एक जानवर

(क) एक माली

(ग) एक आदमी।

(घ) एक क्लर्क।

उत्तर– (ग) एक आदमी।

7. दबा हुआ आदमी अपना परिचय क्या देता है?

(क) संगीतकार के रूप में

(ख) एक कवि के रूप में

(ग) गायक के रूप में

© JCERT not to be republished

(घ) अभिनेता के रूप में

उत्तर– (ख) एक कवि के रूप में

8. पेड़ के नीचे दबे हुए आदमी को सबसे पहले कौन देखता है?

(क) क्लर्क

(ख) चपरासी

(ग) माली।

(घ) सेक्रेटरी।

उत्तर– (ग) माली

9. जामुन का पेड़ कैसा था?

(क) कटीला

(ख) फलदार

(ग) झाड़ीदार

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर– (ख) फलदार

10. कहानी में पेड़ की जगह आदमी को काटने का सुझाव देना किस बात की ओर इशारा करता है?

(क) विवेकहीन कार्यप्रणाली

(ख) सतर्क कार्यप्रणाली

(ग) सुव्यस्थित कार्यप्रणाली

(घ) उपरोक्त सभी

उत्तर– (क) विवेकहीन कार्यप्रणाली

11. माली दौड़ा– दौड़ा किसके पास जाता है?

(क) क्लर्क के पास।

(ख) चपरासी के पास।

ग) सुप्रिडेंट के पास।

(घ) अंडर सेक्रेटरी के पास

उत्तर– (ख) चपरासी के पास।

12. चपरासी किसके पास जाता है?

(क) माली।

(ख) सुप्रिडेंट के पास।

(ग) अंडर सेक्रेटरी के पास।

(घ) क्लर्क के पास।

उत्तर– (घ) क्लर्क के पास।

13. क्लर्क के किसके पास जाता है?

(क) चपरासी पास।

(ख) सुप्रिडेंट के पास।

(ग) माली के पास।

(घ) मिनिस्टर के पास।

उत्तर– (ख) सुप्रिडेंट के पास।

14. सुपरिटेंडेंट किसके पास जाता है?

(क) माली के पास।

(ख) मिनिस्टर के पास।

(ग) मुख्यमंत्री के पास

(घ) अंडर सेक्रेटरी के पास

© JCERT not to be republished

उत्तर- (घ) अंडर सेक्रेटरी के पास

15. अंडर सुपरिटेंडेंट किसके पास जाता है?

(क) डिप्टी सेक्रेटरी के पास।

(ख) मिनिस्टर के पास।

(ग) मुख्यमंत्री के पास

(घ) सेक्रेटरी के पास

उत्तर- (क) डिप्टी सेक्रेटरी के पास।

16. डिप्टी सेक्रेटरी किसके पास जाता है?

(क) प्रधानमंत्री के पास

(ख) जॉइंट सेक्रेटरी के पास

(ग) मुख्यमंत्री के पास

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (ख) जॉइंट सेक्रेटरी के पास

17. चीफ सेक्रेटरी किसके पास जाता है?

(क) माली के पास

(ख) मिनिस्टर के पास

(ग) चपरासी के पास

उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (ख) मिनिस्टर के पास

18. सुपरिटेंडेंट किस सोच में पड़ गया?

(क) दबा हुआ आदमी कौन है

(ख) दबे हुए आदमी को कैसे निकाला जाए

(ग) दबा हुआ आदमी जीवित है या नहीं

(घ) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ख) दबे हुए आदमी को कैसे निकाला जाए

19. 'नहीं मैं जिंदा हूं' यह वाक्य कौन कहता है?

(क) मरा हुआ आदमी

(ख) दबा हुआ आदमी

(ग) वृद्ध व्यक्ति

(घ) डॉक्टर

उत्तर- (ख) दबा हुआ आदमी

20. माली ने दबे हुए आदमी को क्या खिलाया?

(क) बिरयानी

(ख) दाल -भात

(ग) रोटी

(घ) फल

उत्तर- (ख) दाल -भात

21. मेडिकल डिपार्टमेंट ने स्थिति को समझने के लिए किसे भेजा?

(क) प्लास्टिक सर्जन को

(ख) शिक्षक को

(ग) प्रोफ़ेसर को

(घ) पुलिस को।

उत्तर- (क) प्लास्टिक सर्जन को

© JCERT not to be republished

22. कहानी में माली को किस प्रकार का व्यक्ति दर्शाया गया है?

(क) जिम्मेदार व्यक्ति

(ख) विवेकशील

(ग) दयावान

(घ) इनमें से सभी

उत्तर- (घ) इनमें से सभी

23. एक सुस्त कामचोर और मोटा चपरासी कहानी में किसका प्रतीक है?

(क) लचर व्यवस्था का।

(ख) सुदृढ़ व्यवस्था का।

(ग) सुंदर व्यवस्था का।

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

उत्तर- (क) लचर व्यवस्था का।

24. रात में माली ने आदमी के मुंह में क्या खाने को दिया?

(क) रोटी

(ख) खिचड़ी

(ग) बिरयानी

(घ) पुलाव

उत्तर- (ख) खिचड़ी

25. सारे शहर में किस बात की चर्चा फैल गई ?

(क) दबा हुआ व्यक्ति डॉक्टर है

(ख) दबा हुआ व्यक्ति कवि है

(ग) दबा हुआ व्यक्ति शिक्षक है

(घ) इनमें से सभी

उत्तर- (ख) दबा हुआ व्यक्ति कवि है

26. झुंड का झुंड शायर किसी देखने के लिए उमड़ पड़ा?

(क) डॉक्टर को

(ख) दबे हुए व्यक्ति को

(ग) चपरासी को

(घ) माली को

उत्तर- (ख) दबे हुए व्यक्ति को

27. शायरों का झुंड दबे हुए व्यक्ति के आसपास क्या करने लगे?

(क) गाना गाने लगे

(ख) बात करने लगे

(ग) कवि सम्मेलन

(घ) उपरोक्त में सभी

उत्तर- (ग) कवि सम्मेलन

28. दबे हुए आदमी से कौन इंटरव्यू लेने लगा?

(क) कवि

(ख) साहित्य अकादमी का सेक्रेटरी

(ग) माली

© JCERT not to be republished

(घ) शहरवासी

उत्तर- (ख) साहित्य अकादमी का सेक्रेटरी

29. व्यक्ति की जान दांव पर लगाकर विदेशी संबंध को बनाए रखने का किसने विरोध किया?

(क) एक चपरासी ने

(ख) एक डॉक्टर ने

(ग) एक माली ने

(घ) एक क्लर्क ने

उत्तर- (घ) एक क्लर्क ने

30. पिटूनिया क्या है?

(क) काल्पनिक देश

(ख) काल्पनिक राज्य

(ग) काल्पनिक फूल

(घ) काल्पनिक फल

उत्तर- (क) काल्पनिक देश

31. पेड़ काटने का मामला अंत में किस विभाग के पास पहुंचता है?

(क) मत्स्य विभाग के पास

(ख) वन विभाग के पास

(ग) विदेश विभाग के पास

(घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (ग) विदेश विभाग के पास

32. विदेश विभाग से फाइल किसके पास पहुंचाता है?

(क) राष्ट्रपति के पास।

(ख) प्रधानमंत्री के पास।

(ग) मुख्यमंत्री के पास।

(घ) जिला परिषद के पास।

उत्तर- (ख) प्रधानमंत्री के पास।

33. क्या प्रधानमंत्री के फैसले लेने तक व्यक्ति जीवित था?

(क) हां

(ख) नहीं

(ग) शायद हां

(घ) उपरोक्त कोई नहीं

घ-ख) नहीं

34. कवि के नवप्रकाशित गद्य संग्रह का क्या नाम था?

(क) कागज का फूल

(ख) फूल

(ग) ओस के फूल।

(घ) ओस

उत्तर- (ग) ओस के फूल।

© JCERT not to be republished

पाठ से संबंधित उपयोगी तथ्य-

सचिवालय-वह भवन जहां सरकार के सचिवों तथा विभिन्न विभाग के प्रधान अधिकारियों का कार्यालय हो।

साहित्य अकादमी-भारत की साहित्य अकादमी भारतीय साहित्य के विकास के लिए सक्रिय कार्य करने वाली राष्ट्रीय संस्था है। 1954 भारत सरकार द्वारा इस संस्था की स्थापना की गई थी। यह पुरस्कार 24 भाषाओं में दिया जाता है। 'माखनलाल चतुर्वेदी' प्रथम भारतीय लेखक थे जिन्हें 1955 में हिंदी साहित्य अकादमी पुरस्कार 'हिम तरंगिणी' कविता के लिए दिया गया।2022 में यह पुरस्कार 'बद्रीनारायण' को उनके काव्य संग्रह 'तुमड़ी के शब्द' के लिए दिया गया।

© JCERT not to be republished